8 गीत यहाँ खुशहाली के

युग–युग से हम रहे उपासक,
गैंती और कुदाली के।
हल की नोक लिए लिखते हम,
गीत यहाँ खुशहाली के।।

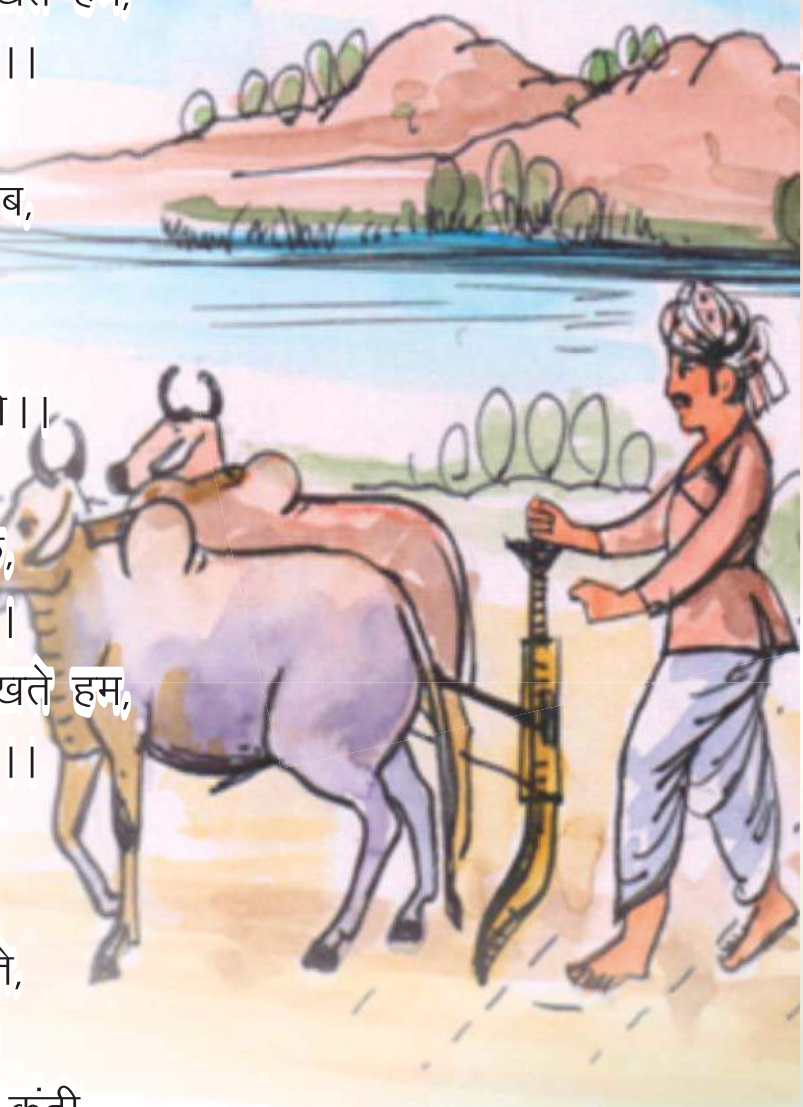

घुँघरू वाले बैलों के जब,
मिट्टी महके पाँव तले,
बहे पसीना तेज धूप में,
या बादल की छाँव तले।।

दर्शन होते इन्द्रधनुष के,
या संध्या की लाली के।
हल की नोक लिए लिखते हम,
गीत यहाँ खुशहाली के।।

कोयल, मोर, पपीहे गाते,
श्याम घटा घहराती है।
मधुर स्वरों में कोकिल–कंठी,
बहुएँ गीत सुनाती हैं।।

वन–बागों में झूले बँधते,
जब पेड़ों की डाली से।
हल की नोक लिए लिखते हम,
गीत यहाँ खुशहाली के।।

पर्वत पर से नदी उछलती,
मैदानों में आती है।
हरियाली की चूनर धानी,
खेतों में लहराती है।।

मोती जैसे दाने हँसते,
हर गेहूँ की बाली के।
हल की नोक लिए लिखते हम,
गीत यहाँ खुशहाली के।।

उत्पादन की अलख जगाती,
फसलें सभी जवानों में।
चौपालों पर झाँझ–मंजीरे,
बजते नए तरानों में।।

गली–गली में उत्सव मनते,
होली और दीवाली के।
हल की नोंक लिए लिखते हम,
गीत यहाँ खुशहाली के।।

अभ्यास कार्य

शब्द–अर्थ

उपासक	–	उपासना या भक्ति करने वाला
घहराना	–	घुमड़–घुमड़कर आना
चौपाल	–	बैठक
खुशहाली	–	सुख–समृद्धि का समय
अलख जगाना	–	जोश पैदा करना
तराना	–	गीत की लय
घटा	–	बादल
कोकिल–कंठी	–	कोयल जैसे मधुर कंठ वाली

उच्चारण के लिए

कुदाली, गैंती, मिट्टी, छाँव, संध्या, कंठी, बहुएँ, हँसते, गेहूँ, मैदानों, चौपालों, जगाती, तरानों

सोचें और बताएँ

1. युग–युग से हम किसके उपासक रहे हैं ?
2. आसमान में किस–किसके दर्शन होते हैं ?
3. हम कौन–कौनसे उत्सव मनाते हैं ?

लिखें

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें
   (इंद्रधनुष, महके, दाने, नदी)
   (क) मिट्टी ..... पाँव तले।
   (ख) दर्शन होते ..... के।
   (ग) पर्वत पर से ..... उछलती।
   (घ) मोती जैसे ..... हँसते।
2. इंद्रधनुष के दर्शन कब होते हैं ?
3. किसान का पसीना कब बहता है ?
4. कालीघटा छाने पर कौन–कौन गीत गाने लगते हैं ?
5. नदी कहाँ से बहकर आती है और उसका मैदानों पर क्या प्रभाव पड़ता है ?
6. गली–गली में उत्सव कब मनाते हैं ?

भाषा की बात

- निम्नलिखित बहुवचन रूपों को एकवचन में लिखें

चौपालों	–	चौपाल
पेड़ों	–	.....
बैलों	–	.....
गीतों	–	.....
स्वरों	–	.....
मैदानों	–	.....

यह भी करें–

- आपके घर व आस–पड़ोस में गाए जाने वाले गीतों की सूची बनाएँ व कक्षा में सुनाएँ।

यह भी जाने

- प्रकृति का संबंध जीवन से होता है। पर्यावरण संरक्षण हेतु पेड़–पौधों की हम रक्षा करेंगे। धरती हरी–भरी रहेगी। भरपूर वर्षा होगी। हमारा जीवन खुशहाल होगा। हमारे जीवन को सुखी बनाने वाली स्थितियों की चर्चा करें और उसके बारे में अनुभवी लोगों से जानें।

मुस्कान पाने वाला मालामाल हो जाता है, पर देने वाला दरिद्र नहीं होता।

–अज्ञात